# जाह्नवी डांगेती

## चर्चा में क्यों?

**आंध्र प्रदेश के** पश्चिमी गोदावरी ज़िले की 23 वर्षीय **जाह्नवी डांगेती को** अमेरिका स्थित नजी अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी **टाइटन स्पेस इंडस्ट्रीज (TSI**) के वर्ष 2029 के अंतरिक्ष मिशन के लिये **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट (ASCAN)** के रूप में चुना गया है।

- **एस्ट्रोनॉट कैंडिडेट** वह व्यक्ति होता है, जिसे किसी अंतरिक्ष एजेंसी या संगठन द्वारा अंतरिक्ष यात्रा **के लिये प्रशिक्षण** हेतु चयनित किया जाता है, ताकि उसे भविष्य में अंतरिक्ष अभियानों के लिये योग्य बनाया जा सके।

## मुख्य बिंदु

## जाह्नवी डांगेती के बारे में

- उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा **पश्चिम गोदावरी ज़िले** में पूरी की तथा उसके बाद **लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (LPU), पंजाब** से **इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग** में स्नातक की उपाधि प्राप्त की; उनके माता-पिता **पद्मश्री** और **श्रीनिवास** वर्तमान में **कुवैत** में रहते हैं।
- वह वर्ष 2022 में पोलैंड के क्राकोव में एनालॉग अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र (AATC) में **सबसे कम उम्र की विदेशी एनालॉग अंतरिक्ष यात्री** और **पहली भारतीय बनीं।**
- उन्होंने नासा द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग (IASC) के साथ कार्य किया है और हवाई में स्थित **पैन-स्टार्स टेलीस्कोप** के माध्यम से क्षुद्रग्रहों की खोज में योगदान दिया है।
- उनको कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें नासा स्पेस ऐप्स चैलेंज में **पीपल्स चॉइस अवार्ड** और **इसरो** के विश्व अंतरिक्ष सप्ताह समारोह में **यंग अचीवर अवार्ड** शामिल हैं।
- **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने** नासा के अंतर्राष्ट्रीय वायु एवं अंतरिक्ष कार्यक्रम को पूरा करने वाली पहली भारतीय बनने पर उन्हें बधाई दी तथा उनकी उपलब्धि को भारत के लिये गौरव का क्षण बताया।

## टाइटंस अंतरिक्ष मिशन

- वर्ष 2029 के लिये निर्धारित इस मिशन का नेतृत्व **NASA** के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री **कर्नल (सेवानिवृत्त) विलियम मैकआर्थर जूनियर** करेंगे।
- **अमेरिका** स्थित इस मिशन में लगभग **5 घंटे** का समय लगेगा, इस दौरान चालक दल **ग्रह के चारों ओर दो बार उड़ान** भरेगा तथा **दो सूर्योदय और दो सूर्यास्त** का अनुभव करेगा।
- यह मिशन लगभग **3 घंटे तक निरंतर शून्य गुरुत्वाकर्षण** प्रदान करेगा, जो **वैज्ञानिक जाँच** तथा **मानव अंतरिक्ष उड़ान विकास** के लिये एक **क्रांतिकारी वातावरण** उपलब्ध कराएगा।
- **जाह्नवी वर्ष 2026 में अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण** प्रारंभ करेंगी, जिसमें **उड़ान सिमुलेशन, अंतरिक्ष यान प्रक्रियाएँ, उत्तरजीविता प्रशिक्षण तथा चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन** शामिल होंगे।

## अंतरिक्ष में भारत की अन्य प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **एक्सिओम-4 (Ax-4) मिशन (2025):** ग्रुप कैप्टन **शुभांशु शुक्ला** अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले **दूसरे भारतीय** बने और **NASA के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS)** का दौरा करने वाले **पहले भारतीय** होंगे।
  - **चार सदस्यीय दल** (अमेरिका से **पैगी व्हिटसन**, पोलैंड से **स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्निएव्स्की**, तथा हंगरी से **टिबोर कापू**) **60 वैज्ञानिक प्रयोग** करेंगे, जिनमें से **7 प्रयोग भारत द्वारा** किये जाएंगे।
- **ISRO** के प्रयोगों का उद्देश्य **अंतरिक्ष, उसके जैविक प्रभावों और सूक्ष्मगुरुत्व** के बारे में हमारी समझ को बढ़ाना है, जिसमें एक प्रमुख प्रयोग **6 प्रकार के फसल बीजों पर अंतरिक्ष उड़ान के प्रभाव** की जाँच करना है।
- **रूसी सोयुज मिशन (1984):** **राकेश शर्मा** अंतरिक्ष में जाने वाले **पहले भारतीय** बने, जो भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिये एक **ऐतिहासिक उपलब्धि थी**।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/jahnavi-dangeti